दस्तावेज़ चेकलिस्ट

प्रोजेक्ट फंडिंग के लिए दस्तावेज़ों की चेकलिस्ट

यह सूची उन व्यवसायों के लिए है जो टर्म लोन से नई (ग्रीनफ़ील्ड) यूनिट लगा रहे हैं या मौजूदा (ब्राउनफ़ील्ड) यूनिट का विस्तार कर रहे हैं। हर ऋणदाता की माँग अलग होती है, इसलिए इसे शुरुआती आधार मानें और अपने प्रोजेक्ट पर लागू होने वाले दस्तावेज़ साथ लाएँ।

Biz Corp Solutions · bizcorps.in/hi/checklists/project-funding/ · 98233 33124

---

01 बिज़नेस और प्रमोटरों का KYC

- ☐ प्रमोटरों, डायरेक्टरों, पार्टनरों और गारंटरों का PAN और Aadhaar
- ☐ इनकॉर्पोरेशन सर्टिफिकेट, MoA व AoA, या पार्टनरशिप डीड
- ☐ MSME होने पर Udyam रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट
  उदाहरण के लिए, Bank of Maharashtra इसे MSME लोन के लिए अनिवार्य बताता है।
- ☐ GST रजिस्ट्रेशन, और आयात-निर्यात करते हों तो Import Export Code
- ☐ लोन लेने की मंज़ूरी देने वाला बोर्ड प्रस्ताव
  कंपनियों के लिए।

02 प्रोजेक्ट रिपोर्ट और अनुमान

- ☐ डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (DPR)
  प्रोजेक्ट का विवरण, बाज़ार, प्रोजेक्ट लागत, फंड के स्रोत और कार्यान्वयन शेड्यूल।
- ☐ लोन अवधि के लिए अनुमानित वित्तीय विवरण, DSCR के साथ
- ☐ ब्रेक-ईवन और सेंसिटिविटी विश्लेषण
- ☐ वर्किंग कैपिटल लिमिट भी चाहिए तो CMA डेटा
- ☐ ऋणदाता माँगे तो TEV स्टडी रिपोर्ट
  आम तौर पर बड़े या तकनीकी रूप से जटिल प्रोजेक्ट्स के लिए; हर बैंक अपनी सीमा तय करता है।

03 प्रोजेक्ट लागत और प्रमोटर योगदान

- ☐ प्लांट, मशीनरी और उपकरणों के कोटेशन
- ☐ आर्किटेक्ट या इंजीनियर से सिविल कार्य के अनुमान
- ☐ प्रमोटर योगदान और उसके स्रोत का प्रमाण
  अक्सर प्रोजेक्ट में पहले से लगाई गई रकम का CA सर्टिफिकेट।
- ☐ किसी सब्सिडी या प्रमोटरों से मिले अनसिक्योर्ड लोन का विवरण

04 ज़मीन, परिसर और मंज़ूरियाँ

- ☐ प्रोजेक्ट साइट की टाइटल डीड या रजिस्टर्ड लीज़ डीड
- ☐ स्वीकृत बिल्डिंग प्लान और बिल्डिंग परमिशन
- ☐ जहाँ लागू हो, MPCB की कंसेंट टू एस्टैब्लिश
- ☐ फ़ैक्टरी लाइसेंस और आपके उद्योग के अन्य लाइसेंस
  प्रोजेक्ट पर जैसे लागू हों।
- ☐ MIDC या अन्य लीज़होल्ड ज़मीन के लिए लेसर की मॉर्गेज परमिशन
  MIDC यह उन लीज़धारकों को देता है जिनके प्लॉट को ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट मिल चुका हो।

05 वित्तीय विवरण और मौजूदा लोन

- ☐ पिछले 3 वर्षों के ऑडिटेड वित्तीय विवरण
  मौजूदा बिज़नेस के लिए; नई कंपनी के लिए प्रमोटरों के वित्तीय विवरण देखे जाते हैं।
- ☐ बिज़नेस और प्रमोटरों के इनकम टैक्स रिटर्न (ITR)
- ☐ चालू वर्ष के प्रोविज़नल वित्तीय विवरण
- ☐ पिछले पूरे वर्ष के GST रिटर्न
- ☐ सभी बैंक खातों के हाल के स्टेटमेंट
- ☐ मौजूदा लोन के सैंक्शन लेटर और बकाया राशि
- ☐ प्रमोटरों और गारंटरों के CA-प्रमाणित नेटवर्थ स्टेटमेंट

ध्यान देने योग्य बातें

- DPR में लागत की हर मद को कोटेशन, अनुमान या एग्रीमेंट से प्रमाणित करें।
- स्व-सत्यापित कॉपियाँ तैयार रखें, और ऋणदाता के सत्यापन के लिए मूल दस्तावेज़ भी।
- KYC और नेटवर्थ दस्तावेज़ आम तौर पर सिर्फ़ उधार लेने वाली संस्था के नहीं, बल्कि सभी प्रमोटरों और गारंटरों के लगते हैं।
- ऋणदाता कोलैटरल प्रॉपर्टी के दस्तावेज़ या बड़े प्रस्तावों के लिए एक्सटर्नल क्रेडिट रेटिंग जैसे और दस्तावेज़ माँग सकते हैं।
- ऋणदाता, लोन राशि और आपकी प्रोफ़ाइल के अनुसार ज़रूरी दस्तावेज़ अलग हो सकते हैं; ऋणदाता इससे ज़्यादा या कम दस्तावेज़ माँग सकता है। इस सूची को शुरुआत के रूप में इस्तेमाल करें और अंतिम सूची ऋणदाता से पक्की करें।

स्रोत

1. Documents need to be submitted for MSME Loan — Bank of Maharashtra
2. Checklist for submitting credit proposals above Rs.2 Cr — Union Bank of India

3. Land pre-operations: mortgage permission — MIDC

अंतिम समीक्षा: 5 अक्टूबर 2026।